न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर

पीठासीन अधिकारी–डॉ. अमित यादव, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या– 123/2023
जी.सी.एम.एम. पोर्टल नम्बर– 2023/ 141

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
बैंक ऑफ बडौदा, शाखा कार्यालय– सुजानगढ, (राज.) में स्थित है, जरिये प्राधिकृत अधिकारी श्री प्रशान्त झा		1. मैसर्स महादेव फिलिंग स्टेशन प्रो. श्री मोहन लाल कुमावत उर्फ प्रजापत पुत्र महादेव प्रसाद प्रजापत पता– NH-65 रोही, ग्राम–जसवन्तगढ, तहसील लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान, पता–वार्ड नं. 21, नया बास रोड, कस्बा–सुजानगढ, जिला चुरू राजस्थान 2. श्रीमति सुमन देवी पत्नी मनोज कुमार प्रजापत 3. श्रीमति रतनी देवी पत्नी मोहन लाल प्रजापत 4. कृष्ण गोपाल पुत्र मोहन लाल प्रजापत 5. मनोज कुमार पुत्र मोहन लाल प्रजापत पता– वार्ड नं. 21, नया बास रोड, कस्बा– सुजानगढ, जिला चुरू राजस्थान

आदेश **दिनांकः 21/07/2023**

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ। जो दर्ज रजिस्टर हो।

प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थी/ ऋणी को **ऋण राशि रूपये 1,85,50,000/–(अक्षरे एक करोड पिच्यासी लाख पचास हजार रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 29.12.2014 व आगामी दिनांकों में** ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में **सम्पति – आवासीय सम्पति प्लॉट खसरा नम्बर 1233/05, ग्राम– जसवंतगढ, NH-65 के समीप, तहसील लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान पर स्थित है, जो श्री कृष्ण गोपाल पुत्र श्री मोहन लाल प्रजापत के नाम से है, जिसका कुल क्षेत्रफल 2894.18 वर्गगज (2420.78 वर्ग मीटर) है, चतुः सीमाऐ–उत्तर में–खसरा नं. 1233/05 की शेष भूमि, दक्षिण में–रोड, पूर्व में– खसरा नम्बर 1177/05 श्रीमति सुमन देवी पत्नी श्री मनोज कुमार, की भूमि, पश्चिम में–खसरा नम्बर 1232/05 श्रीमति रतनी देवी की भूमि,** जो प्रार्थी बैंक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैंक के नियमानुसार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को **दिनांक 01.05.2023 को एन.पी.ए.** घोषित कर दिया गया व अप्रार्थी/ऋणी के ऋण खाता मे बकाया **रूपये 1,70,66,638.30/– (अक्षरे एक करोड सत्तर लाख छांसठ हजार छः**

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

सौ अडतीस रूपये एंव पैसे तीस मात्र) दिनांक 01.05.2023 तक शेष देय है व आगे का ब्याज व खर्चे सहित राशि बकाया निकलते हैं।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक ने ऋणी/अप्रार्थी को दिनांक 04.05.2023 को रजिस्टर्ड नोटिस दिये गये परन्तु सूचना के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण राशि **रूपये 1,70,66,638.30/– (अक्षरे एक करोड सत्तर लाख छोंसठ हजार छः सौ अडतीस रूपये एंव पैसे तीस मात्र)** दिनांक 01.05.2023 तक शेष **देय है व आगे का ब्याज व खर्चे सहित राशि** को जमा कराना था परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण :– **आवासीय सम्पति प्लॉट खसरा नम्बर 1233/05, ग्राम– जसवंतगढ, NH-65 के समीप, तहसील लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान पर स्थित है, जो श्री कृष्ण गोपाल पुत्र श्री मोहन लाल प्रजापत के नाम से है, जिसका कुल क्षेत्रफल 2894.18 वर्गगज (2420.78 वर्ग मीटर) है, चतुः सीमाऐ–उत्तर में–खसरा नं. 1233/05 की शेष भूमि, दक्षिण में–रोड, पूर्व में– खसरा नम्बर 1177/05 श्रीमति सुमन देवी पत्नी श्री मनोज कुमार, की भूमि, पश्चिम में–खसरा नम्बर 1232/05 श्रीमति रतनी देवी की भूमि,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैक से **ऋण राशि रूपये 1,85,50,000/–(अक्षरे एक करोड पिच्यासी लाख पचास हजार रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 29.12.2014 व आगामी दिनांकों में** प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार हैः– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विकय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा,उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर –(क)उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के साथ अनुपालना को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट उन कदमो को लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जो उसकी राय मे आवश्यक हो सकेगा।

उपरोक्त प्रावधानो को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध मे पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं । अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक नागौर को निर्देश दिये जाते है कि अप्रार्थी/ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष मे बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व मे **सम्पति – आवासीय सम्पति प्लॉट खसरा नम्बर 1233/05, ग्राम– जसवंतगढ, NH-65 के समीप, तहसील लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान पर स्थित है, जो श्री कृष्ण गोपाल पुत्र श्री मोहन लाल प्रजापत के नाम से है, जिसका कुल क्षेत्रफल 2894.18 वर्गगज (2420.78 वर्ग मीटर) है, चतुः सीमाऐ–उत्तर में–खसरा नं. 1233/05 की शेष भूमि, दक्षिण में–रोड, पूर्व में– खसरा नम्बर 1177/05 श्रीमति सुमन देवी पत्नी श्री मनोज कुमार, की भूमि, पश्चिम में–खसरा नम्बर 1232/05 श्रीमति रतनी देवी की भूमि**, जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, को प्रार्थी बैक के हक मे बंधक किया था तथा बंधक विलेख निष्पादित किया था, के संबंध मे संबधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि वे उक्त संपति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे मे हो तो उन दस्तावेजो को प्रार्थी को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

(डॉ. अमित यादव)
जिला कलक्टर एंव मजिस्ट्रेट
जिला मजिस्ट्रेट
नागौर